रक्षाबंधन

रक्षाबंधन हिन्दू धर्म का एक बहुत ही महत्पूर्ण पर्व है यह पर्व हर साल श्रावण माह के अंत में आता है । इस वर्ष में यह पर्व 15 अगस्त को मनाया गया था । एक भाई सबसे ज्यादा अपनी बहन से प्रेम करता है । भाई और बहन का रिश्ता पवित्र और अटूट रिश्ता होता है ।रक्षाबंधन का शुभ त्यौहार भारतीय पौराणिक कथाओं में बहुत ही महत्पूर्ण है । रक्षाबंधन मूल रूप से एक दूसरे के लिए , भाई और बहन के बंधन , देखभाल और प्यार का प्रतीक है । इस दिन बहन सुबह ही स्नान कर तैयार हो जाती है। उसके बाद वह थाली में आरती का सामान सजाकर , भाई कि आरती उतारती है और भाई के माथे पर तिलक लगाकर , दाहिने हाथ की कलाई पर राखी बांध देती है साथ ही भाई का मुँह मिठाइयों से भर देती है भाई भी बदले में रुपये और उपहार देता है और साथ ही भाई, बहन की रक्षा करने का वचन भी लेता है , यह पवित्र रक्षा सूत्र, प्रेम, शांति, सदभावना एवं आपसी सौहार्द का प्रतीक है , जो कि शास्वत एवं संनातन है , तथा भारतीय संस्कृति कि अक्षुष्ण बनाने हेतु लगातार प्रत्यनशील है ।अब मैं अपने भाषण को यह कहकर अंत करना चाहूंगा कि इस दिन हर भाई को यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि वह अपनी जान कि बाजी लगाकर भी बहनो की रक्षा करेगा ।

धन्यवाद !